कक्षा - 12

विषय – लोक प्रशासन

Answer key

भाग - अ

1)स्विट्जरलैंड में 1

2)निर्वाचक मंडल 1

3) राष्ट्रपति द्वारा. 1

(4) 26 जनवरी 1950. 1

(5) वरिष्ठता का सिद्धांत. 1

(6) अशोक चंदा. 1

(7) इंग्लैंड में. 1

(8) संगठन का एक भाग. 1

(9) राष्ट्रपति. 1

(10) हैदराबाद. 1

(11) पदोन्नति. 1

(12) सचिव. 1

(13) लोकसभा. 1

(**14) यह लेखा परीक्षक के रूप में केंद्र तथा राज्यों के वित्तीय अभिलेखों का परीक्षण करता है 1**

(15) लोक निगम का अपना स्वतंत्र कानूनी व्यक्तित्व होता है। 1

(16) संघ लोक सेवा आयोग. 1

Download from www.MsEducationTv.com

(17) कांग्रेस. 1

(18) प्रत्यक्ष भर्ती 1

(19) R सही है ,परंतु A गलत है । 1

(20) A तथा R दोनों सही हैं ,परंतु R , A की सही व्याख्या नहीं है। 1

भाग – ब

अति लघु उत्तरात्मक उत्तर

Ans.21 i) मौलिक अधिकारों की रक्षा करना।

(ii)संविधान की व्याख्या तथा रक्षा करना।

(2)

Ans.22.नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का वर्णन संविधान के अनुच्छेद 148 से 151 तक में किया गया। (2)

अथवा

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की भांति पद से हटाया जाता है अर्थात यदि संसद के दोनों सदन दो -तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पास करके राष्ट्रपति के पास भेज दें तो राष्ट्रपति उसे हटा सकता है।

Ans23.बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच भाषा के शब्द Bougette से हुई है, Bougette शब्द का शाब्दिक अर्थ है चमड़े का थैला है साधारण शब्दों में बजट का अर्थ वित्तीय प्रस्ताव से है जिसमें किसी देश की वार्षिक आय और व्यय का ब्यौरा होता । (2)

Download from www.MsEducationTv.com

Ans24.1. स्वतंत्र कानूनी व्यक्तित्व, 2.कानून द्वारा स्थापित, 3.वित्तीय. स्वायत्तता

4.प्रशासनिक स्वायत्तता, 5.उद्देश्य की स्पष्टता।

सरकारी निगम का वैधानिक अस्तित्व होता है।

सरकारी निगम की स्थापना संसद के अधिनियमों द्वारा की जाती है। (2)

Ans.25 1. औपचारिक अथवा अनौपचारिक प्रशिक्षण.

2. अल्पकालीन अथवा दीर्घकालीन प्रशिक्षण

3 सेवा प्रवेश के पूर्व या उत्तर कालीन प्रशिक्षण

4 विभागीय तथा केंद्रीय प्रशिक्षण

5 कौशल अथवा आधारभूत प्रशिक्षण (2)

Ans 26.साधारण कानून राष्ट्रीय कानून का वह भाग है, जो व्यक्तियों के. आपसी संबंधों को निश्चित करता है। साधारण कानून सरकार द्वारा बनाए जाते हैं और, सरकार द्वारा ही लागू किए जाते हैं। (2)

Ans.27 (1) ग्रामीण क्षेत्र में लोकतंत्र की स्थापना करना

(2) ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को अपने स्थानीय मामलों को स्वयं नियोजित करने और शासन प्रबंध चलाने का अवसर देना है। इत्यादि (2)

अथवा

Ans(1 पंचायती राज संस्थाओं को सफल बनाने के लिए प्रथम आवश्यकता शिक्षा का प्रसार है।

Download from www.MsEducationTv.com

2 पंचायती राज संस्थाओं के कर्मचारियों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर होनी चाहिए। इत्यादि (2)

Ans.28 दामोदर घाटी निगम ,जीवन बीमा निगम.   इत्यादि (2)

Ans. 29(i) कार्य का आधार, (ii)प्रक्रिया का आधार, (iii) व्यक्तिक आधार,(iv) क्षेत्रीय आधार (2)

अथवा

विभाग प्रशासन के मूल इकाई है ,इसका शाब्दिक अर्थ है किसी बड़े संगठन अथवा इकाई का भाग। मुख्य कार्यपालिका के अधीनस्थ कार्यों को अनेक खंडों में बांट दिया जाता है। प्रत्येक खंड को विभाग कहा जाता है।

भाग स

लघु उत्तरात्मक उत्तर

Ans. 30 राष्ट्रपति.

1.कार्य- सशस्त्र सेनाओं सर्वोच्च सेनापति

2.थल जल वायु सेवा अध्यक्षों की नियुक्ति

3.राष्ट्रीय रक्षा समिति की अध्यक्षता

4.फील्ड मार्शल की उपाधि प्रदान करना इत्यादि

(1+3)

Ans.31 प्रारंभिक क्षेत्राधिकार,-1. ऐसे मुकदमों की सुनवाई करना जो सर्वोच्च न्यायालय में सीधे ले जाया जा सकते हैं।

Download from www.MsEducationTv.com

2.अपीलीय क्षेत्राधिकार- उच्च न्यायाधीशों के निर्णय के विरुद्ध संवैधानिक दीवाने और फौजदारी तीनों प्रकार के मुकदमों में अपीलें सुनना।

3.सलाहकार क्षेत्र अधिकार-राष्ट्रपति किसी सार्वजनिक महत्व के विषय पर सर्वोच्च न्यायालय से कानूनी सलाह ले सकता है परंतु राष्ट्रपति के लिए अनिवार्य नहीं है कि वह सर्वोच्च न्यायालय के परामर्श के अनुसार कार्य करे।

4.संविधान की व्याख्या तथा रक्षा

5.मौलिक अधिकारों के विषय अनुच्छेद 32 के अनुसार विभिन्न रितु द्वारा मौलिक अधिकारों को लागू करवा सकता है। इत्यादि (4)

Ans.32 (1) परीक्षा लेने तथा भर्ती के संबंध में संघ सरकार को सलाह देना

2.संघ सरकार को लोक सेवाओं की भर्ती ,पदोन्नति ,तबादले, अनुशासन आदि के बारे में सलाह देना।

3. दावों और मुआवजा के बारे में संघ सरकार को सलाह देना।

4.छात्रवृत्तियों की सिफारिश

5. संघ लोक सेवा आयोग किसी राज्य के राज्यपाल के कहने और राष्ट्रपति की स्वीकृति से किसी राज्य के आयोग का कार्य कर सकता है। (4)

Ans.33 भर्ती की विभिन्न समस्याएं:

1. भरती का अधिकार किसे प्राप्त होना चाहिए। यह पता लगाना।

2.यह निर्णय करना कि भिन्न-भिन्न पदों की पूर्ति के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिए।

3.यह पता लगाना की योग्यता निर्धारण करने के लिए प्रशासकीय संगठन क्या हो।

4.उम्मीदवारों की योग्यता का निर्धारण किस प्रकार किया जाए परीक्षाओं से ,व्यक्तित्व द्वारा ,साक्षात्कार द्वारा। इत्यादि (4)

Download from www.MsEducationTv.com

Ans.34 1.प्रशिक्षण का उद्देश्य है कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा करना.

2.कर्मचारियों के अंदर लोक सेवा की भावना पैदा करना

3.नैतिक बल बढ़कर उनमें यह भावना पैदा करना कि वह जनता की सेवक है ,स्वामी नहीं।

4.कर्मचारियों में व्यावसायिक कुशलता में वृद्धि करना।आजीवन सेवाओं में अक्षमताओं का विकास करना। (4)

अथवा

Ans 1 प्रशिक्षण निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि करता है।

2 प्रशिक्षण वेबसाइट दक्षता और ज्ञान में वृद्धि करता है।

3 प्रशिक्षण से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है।

4 प्रशिक्षित कर्मचारी उचित ढंग से अपने कार्यों को पूर्ण करता है।

Ans 35 1.यह सिद्धांत कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा करता है।

2.यह सिद्धांत इतना तटस्थ तथा निष्पक्ष है कि पदोन्नति करने वाला अधिकारी मनमानी और पक्षपात नहीं कर सकता।

3.वरिष्ठ कर्मचारी अनुभवी होता है और अनुभव प्रशासन की कुशलता के लिए आवश्यक है।

4.इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होते हैं। (4)

अथवा

Ans 1)पदोन्नति से कर्मचारियों में कार्य कुशलता बनी रहती है।

Download from www.MsEducationTv.com

2)पदोन्नति की प्रणाली के कारण भर्ती के समय योग्य व्यक्ति लोक सेवाओं की ओर आकर्षित होते हैं।

3)पदोन्नति के कारण कर्मचारियों को अपने गुण तथा प्रतिभा को दिखाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

4)पदोन्नति की उचित व्यवस्था से कर्मचारियों में नैतिक विकास होता है पदोन्नति के अभाव में कर्मचारी असंतुष्ट रहते हैं और उनका मनोबल भी गिर सकता है। (4)

दीर्घ उत्तरात्मक उत्तर

Ans 36. कार्यपालिका के विभिन्न प्रकार

1 एकल तथा बहुल कार्यपालिका –अकाल कार्यपालिका किसे कहते हैं जहां कार्यपालिका की शक्ति एक व्यक्ति के हाथ में होती है अमेरिका में एकल कार्यपालिका है। जहां कार्यपालिका की शक्ति अनेक व्यक्तियों के पास होते हैं उसे बोल कार्यपालिका कहते हैं स्विट्जरलैंड में कार्यपालिका में 7 सदस्य हैं।

2 पैतृक तथा चुनी हुई कार्यपालिका-कार्यपालिका पत्रक तथा चुनी हुई भी हो hai सकती है। पत्रक कार्यपालिका वहां होती है जहां राज्य राज्य का मुखिया राजा होता है और उसकी मृत्यु के पश्चात उसके पुत्र तथा पुत्री को राजगद्दी पर बैठाया जाता है जैसे इंग्लैंड जापान। चुनी हुई कार्यपालिका वहां होती है जहां कार्यपालिका का अध्यक्ष प्रत्यक्ष तौर पर जनता के द्वारा अथवा जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चुना जाता है भारत और अमेरिका में राष्ट्रपति जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चुना जाता है।

3)वास्तविक तथा नाम मात्र के कार्यपालिका-संसदीय सरकारों में संविधान के अनुसार कार्यपालिका की समस्त शक्तियां राज्य के अध्यक्ष के पास होती हैं परंतु राज्य का अध्यक्ष इन शक्तियों का प्रयोग स्वयं नहीं करता राज्य के अध्यक्ष की शक्तियों का प्रयोग मंत्रिमंडल करता है।इंग्लैंड जापान भारत स्वीडन डेनमार्क नार्वे तथा हॉलैंड में राज्य का अध्यक्ष नाम मात्र का मुखिया है जबकि मंत्रिमंडल वास्तविक कार्यपालिका है ।

Download from www.MsEducationTv.com

4)संसदीय तथा अध्यक्षात्मक कार्यपालिका- संसदीय कार्यपालिका में राज्य का अध्यक्ष राष्ट्रपति अथवा सम्राट नाम मात्र का मुख्य होता है उसकी शक्तियों का प्रयोग मंत्रिमंडल करता है। मंत्रिमंडल के सदस्य संसद के सदस्य भी होते हैं और भी अपने कार्यों के लिए संसद के प्रति उत्तरदाई होते हैं मंत्रिमंडल तब तक अपने पद पर रह सकता है जब तक उसे संसद में बहुमत प्राप्त हो संसद के सदस्य अविश्वास प्रस्ताव पास करके मंत्रिमंडल को अपने पद से हटा सकते हैं।

अध्यक्षात्मक कार्यपालिका में राज्य का अध्यक्ष वास्तविक मुख्य होता है संविधान के अनुसार कार्यपालिका की शक्तियां राष्ट्रपति के पास होती हैं और उन शक्तियों का प्रयोग राष्ट्रपति स्वयं करता है राष्ट्रपति विधानमंडल का सदस्य नहीं होता और नहीं अपने कार्यों के लिए विधानमंडल के प्रति उत्तरदाई होता है विधानमंडल के सदस्य राष्ट्रपति को अविश्वास प्रस्ताव पास करके नहीं हटा सकते। (6)

अथवा

Ans प्रधानमंत्री की शक्तियां-

1)मंत्रिमंडल का नेता।

2)प्रधानमंत्री मंत्री परिषद का निर्माण करता है

3)विभागों का विभाजन

4)प्रधानमंत्री मंत्रिमंडल का सभापति

5 राष्ट्रपति का मुख्य सलाहकार

6 सरकार का मुखिया

7 सरकार का प्रमुख प्रवक्ता

8 संसद का नेता

9 राष्ट्र का नेता

Download from www.MsEducationTv.com

10 प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सलाह देकर लोकसभा को भंग करवा सकता है । इत्यादि (6)

Ans 37 भारतीय संघ का परिचय- एकात्मक विशेषताएं-

1 शक्तियों का विभाजन केंद्र के पक्ष में

2 राज्य सूची का केंद्र पर हस्तक्षेप

3 राज्यपाल की नियुक्ति

4 राज्यों का अपना अलग संविधान नहीं है।

5 किसी भी राज्य को संघ से अलग होने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

6 राज्यसभा में राज्यों को आसमान प्रतिनिधित्व दिया गया है।

7 संविधान के अधिकांश भाग में संघीय संसद संशोधन कर सकती है केवल थोड़े से भाग में संशोधन करने के लिए आधे राज्यों का अनुमोदन आवश्यक है।

8 इकहरी नागरिकता

9 इकहरी न्यायपालिका

इत्यादि (6)

अथवा

Ans 1 देश की विभिन्न समस्याओं का सामना करने के लिए शक्तिशाली केंद्र की व्यवस्था की गई है।

2 देश के आर्थिक विकास के लिए शक्तिशाली केंद्र की आवश्यकता थी और इसीलिए शक्तिशाली केंद्र की व्यवस्था की गई है।

3 राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए तथा राष्ट्रवाद की भावना के विकास के लिए शक्तिशाली केंद्र की आवश्यकता थी।

Download from www.MsEducationTv.com

4 बाहरी आक्रमणों का मुकाबला करने के लिए तथा देश की सुरक्षा के लिए शक्तिशाली केंद्र की व्यवस्था की गई है। इत्यादि (3)

Ans भारतीय संविधान को अर्ध संघात्मक कहा जाता है क्योंकि भारतीय संविधान का ढांचा संघात्मक है परंतु भावना में एकात्मक है। भारतीय संविधान में संघात्मक लक्षण पाए जाते हैं -

जैसे लिखित एवं कठोर संविधान शक्तियों का विभाजन संविधान के सर्वोच्चता, स्वतंत्र न्यायपालिका इत्यादि।

परंतु भारतीय संविधान में एकात्मक तत्व भी मिलते हैं जिनके कारण कहा जाता है कि भारतीय संविधान की आत्मा एकात्मक है। भारत की शक्तियों का विभाजन केंद्र के पक्ष में है और केंद्रीय सरकार बहुत ही शक्तिशाली है। केंद्र सरकार अनेक परिस्थितियों में राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है। सारे देश के लिए एक संविधान है और नागरिकों को इकहरी नागरिकता प्राप्त है ।राज्यों के राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। राज्यपाल केंद्रीय सरकार के एजेंट के रूप में कार्य करते हैं। संकटकाल में देश का संघात्मक ढांचा एकात्मक ढांचे में बदला जा सकता है। और इसके लिए संविधान में किसी संशोधन की आवश्यकता नहीं है ।भारत में इकहरी न्याय व्यवस्था की स्थापना की गई है ।संपूर्ण भारत के लिए एक ही चुनाव आयोग है। (3)

Ans 38 सन 1952 में ग्राम पंचायत स्थापित की गई तथा बाद में गांव में पंचायती राज स्थापित किया गया परंतु इतने वर्ष बीतने के बाद भी पंचायती राज को वह सफलता नहीं मिली जिसकी आशा की गई थी इनमें कई दोष पाए जाते हैं जो निम्न हैं -.

1 अशिक्षा

2 अज्ञानता

3 सांप्रदायिकता

4 राजनीतिक दलों का अनुचित हस्तक्षेप

Download from www.MsEducationTv.com

5 सरकार का अधिक नियंत्रण

6 ग्राम सभा का प्रभावकारी न होना

7 चुनाव समय पर न होना

8 धन का अभाव

9 पंचायती राज के ढांचे का प्रश्न विवादास्पद। इत्यादि (6)

Ans पंचायत के कार्य

1 प्रशासनिक कार्य- गांव में शांति व्यवस्था बनाना, अपने क्षेत्र के अपराधियों को पकड़ने और अपराधों की रोकथाम करने के लिए पुलिस की सहायता करना

2 सार्वजनिक कल्याण के कार्य-, गांव की साफ सफाई, अस्पताल दवाखाना प्रसूति गृह ,बाल कल्याण केंद्र की स्थापना करना।

3 विकास संबंधी कार्य- अपने क्षेत्र के बहुमुखी विकास के लिए छोटी-छोटी योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना। कृषि की पैदावार बढ़ाने के लिए किसानों को बढ़िया 20 तथा खाद बांटने का प्रबंध करती है।

4 न्यायिक कार्य- अपने क्षेत्र के छोटे-छोटे दीवानी, भूमि संबंधी मुकदमों का निर्णय करना।

(3)

Ans विभाग किसी बड़े संगठन अथवा इकाई का अंग होता है।

यह मुख्य कार्यपालिका तक सूचनाओं पहुंचने का महत्वपूर्ण साधन है।

विभाग की स्थिति प्रत्यक्ष रूप में मुख्य कार्यपालिका के तुरंत अधीन होती है।

विभाग मुख्य कार्यपालिका के प्रति पूर्ण अथवा वांशिक रूप में उत्तरदाई होता है। इत्यादि (3)

Download from www.MsEducationTv.com

Download from www.MsEducationTv.com